# माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल 2018

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

| परीक्षा का विषय | विषय कोड | परीक्षा का माध्यम |
|---|---|---|
| हिन्दी विशिष्ट | 0 0 1 | हिन्दी |

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

A-

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

| - | 2 | 8 | 4 | 5 | 3 | 3 | 1 | 7 | 0 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

शब्दों में

| - | दो | आठ | चार | पाँच | तीन | तीन | एक | सात | शू |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

...र पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में X शब्दों में X

...का कक्ष क्रमांक 02

...का दिनांक 01 03 2018

...नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

...यर सेकेण्ड्री परीक्षा

परीक्षा केन्द्र क्रं. 452068

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्य...

| पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर | केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर |
|---|---|
| Neeta Mehta<br>N Mehta<br>01/03/18 | Sharma |

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

| उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा | परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा |
|---|---|
| ...वरिष्ठ अध्यापक<br>शा. उत्कृष्ट उ.मा.वि. हरदा<br>V. No. 9980078 | आर. डी. ... (अध्यापक)<br>महात्मा गांधी ... हा. से. स्कूल<br>छिदगांव मेल V.No. 1068004 |

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी क...

| प्रश्न क्रमांक | पृष्ठ क्रमांक | प्राप्तांक (अंकों... |
|---|---|---|
| 1 | | |
| 2 | | |
| 3 | | |
| 4 | | |
| 5 | | |
| 6 | | |
| 7 | | |
| 8 | | |
| 9 | | |
| 10 | | |
| 11 | | |
| 12 | | |
| 13 | | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |
| 21 | | |
| 22 | | |
| 23 | | |
| 24 | | |
| 25 | | |
| 26 | | |
| 27 | | |
| 28 | | |
| | | |
| | | |

कुल प्राप्तांक अंकों में

2

| योग पूर्व पृष्ठ | | पृष्ठ 2 के अंक | | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|
| | + | | = | |

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 1 का उत्तर

अ)
उत्तर कृष्ण को लेने।

ब)
उत्तर भय में।

स)
उत्तर लालमणि।

द)
उत्तर पंत।

(ई)
उत्तर 31.

प्रश्न क्रमांक - 2 का उत्तर

अ)
उत्तर धरती।

ब)
उत्तर क्षणभंगुर।

स)
उत्तर अरबवे।

द)
उत्तर मातृभाषा।

ई)
उत्त. बन्धी काव्य।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 3 का उत्तर

1) उत्तर - सत्य।
2) उत्तर - असत्य।
3) उत्तर - सत्य।
4) उत्तर - असत्य।
5) उत्तर सत्य।

प्रश्न क्रमांक - 4 का उत्तर

अ) उत्तर - दशमुख (रावण)।
ब) उत्तर - एकान्त।
स) उत्तर - राजरानी देवी।
द) उत्तर - तीन।
ई) उत्तर - छप्पय छन्द।

प्रश्न क्रमांक - 5 का उत्तर

अ) उत्तर - श्रीकृष्ण।
ब) उत्तर - उषा प्रियंवदा।
स) उत्तर - देवकी का व्योमातीत रूप।
द) उत्तर - महाकाव्य।
ई) उत्तर - द्वन्द्व समास।

प्रश्न क्रमांक - 6 का उत्तर

6) उत्तर नाव मे पानी भर जाने पर सयानो का कर्तव्य है की वे उस पानी को बाहर फेके।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 7 का उत्तर

उत्तर पतझड के कारण डाली के सभी पत्ते गिर गये है । वह बिना पत्तो के रह गई है। अब बसन्त आ गया है । डाली पर नए नए पत्ते फूट पडेंगे । वह हरे - भरे पत्तो से लद जाएगी । उस पत्तो भरी डाली को पल्लव वसना कहा गया है ।

(अथवा) प्रश्न क्रमांक - 8 का उत्तर

उत्तर भारतीय युवा अनश्वर तथा अपार ऊर्जावान विवेकशील योद्धा है । वे काल को भी जीत लेते है । उनका क्रोध समस्त खगोल - और भूगोल मे कम्पन पैदा कर देता है । काल सामान्यत: सबको अपने वश मे रखता है लेकिन वह काल का भी काल बन जाती है । कवि नवीन मे काल भी काल कहकर भारतीय युवाओं शक्ति को व्यक्त किया है ।

प्रश्न क्रमांक - 9 का उत्तर

उत्तर माँ सरस्वती की वन्दना अनेक देवी - देवता, सब सिद्ध - प्रसिद्ध पुरुष, महान तपस्वी करते है । उनके पति ब्रह्म, उनके पुत्र शिव, उनके पौत्र कार्तिकेय भी उनकी वन्दना करते है ।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(अथवा) प्रश्न क्रमांक - 10 का उत्तर

जब युवा सहास के साथ संघर्ष के मार्ग पर चल पडता है, तो मार्ग की सभी बाधाएँ उसको मार्ग छोड देती है।

(अथवा) प्रश्न क्रमांक - 11 का उत्तर

उत्त घर खुलते ही लेखक को लगने लगा की ताले के साथ उनके भीतर भी कुछ खुलता जा रहा है। बचपन की सभी स्मृतियाँ उनके सामने आ गई

(अथवा) प्रश्न क्रमांक - 12 का उत्तर

उत्तर गजाधर बाबू रेलवे की नौकरी से रिटायर हुए थे। उन्होंने अपने जीवन के पैंतीस वर्ष रेलवे की नौकरी मे बीताए।

प्रश्न क्रमांक - 13 का उत्तर

उत्तर सम्मान के विषय मे लेखक रामनारायण उपाध्याय का मानना है की व्यक्ति या तो अपने लिए सम्मान पा सकता है या फिर अपनी रचनाओं के लिए।

प्रश्न क्रमांक - 14 का उत्तर

उत्तर उत्तराखण्ड का प्राकृतिक दृश्य अनुठा है। हरे - भरे पौधो से घिरा वन, शान्त मनोरम

6

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 6 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

वातावरण, देवदार व चिड के ऊँचे - ऊँचे वृक्ष. सबकुछ ऐसा लगता है मानो किसी दूसरे लोक मे आ गये हो, यही कारण है की श्रद्धालु उत्तराखण्ड के प्राकृतिक दृश्यो की ओर आकर्षित होते है।

प्रश्न क्रमांक - 15 का उत्तर

i) उत्तर उसने मुझे कुछ नही कहा।

ii) उत्तर आपका अथवा भवदीय

प्रश्न क्रमांक - 16 का उत्तर

उत्तर → जहाँ किसी व्यक्ति की वेशभूषा, असली आकृति, चेष्टा, वाणी आदि देखकर या सुनकर हँसी उत्पन्न हो वहाँ हास्य रस होता है।

उदाहरण → फादर ने बनवा दिए तीन कोट छः पेन्ट;
बेटा मेरा बन गया कॉलेज स्टूडेन्ट।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 17 का उत्तर (गद्यखंड)

उत्तर दुबले - पतले नाटे कद के होते हुए भी गणेश शंकर विद्यार्थी जी विलक्षण व्यक्तित्व के धनी थे उनकी निम्न लिखित व्यक्तित्व विशेषता थी →

(1) सरस साहित्यकार → यद्यपि विद्यार्थी जी राजनीति मे अधिक सक्रिय रहे किन्तु उनका हृदय सरस साहित्यकार का था। उनकी योग्यता के कारण भी 'प्रताप' भारत का प्रमुख पत्र बन गया

(2) सच्चे देश भक्त → विद्यार्थी जी सच्चे राष्ट्रभक्त थे अपने क्षमता से धन माँगकर तथा अपना पेट काटकर क्रान्तिकारियो को आर्थिक सहायता देते थे।

(3) सामाजिक प्रभाव → विद्यार्थी जी पर समाजवाद का गहरा प्रभाव था। उन्होने औद्योगिक नगर कानपुर कानपुर मे मजदूरो का संगठन का दायित्व निभाया। वे उनके हित के लिए निरन्तर संघर्षशील रहे।

(4) जननेता → विद्यार्थी जी राजनीति मे सतत् सक्रिय रहे किन्तु निष्ठा, समर्पण के भाव से। जनता को उन पर अडिग विश्वास था इसलिए पूँजीपतियो के मुकाबले चुनाव मे एक लाख वोटो से विजय रहे।

8 [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 8 के अंक कुल अंक

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHAYPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATI

प्रश्न क्र. प्रश्न क्रमांक - 18 का उत्तर

उत्तर बैर का उद्गम स्थान क्रोध है। क्रोध ही आगे चल कर बैर मे बदल जाता है। यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य मनुष्य का अहीत करता है तो अन्य मनुष्य जिसका अहीत किया है वह भी क्रोध के वशीभूत अहीत करता है। लेकिन बदला लेने मे असफल रहता है तो उसका क्रोध बहुत काल तक उसके हृदय मे बना रहता है। प्रतिकार करने से उसके क्रोध का शमन हो जाता है। क्रोध ही आगे चल कर बैर मे परिणीत हो जाता है। इसलिए बैर को क्रोध का आचार मुरब्बा कहते है।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 19 का प्रश्न

रोला छंद → इस मात्रिक छन्द के प्रत्येक चरण मे 11 व 13 के क्रम मे कुल 24 मात्राएँ होती है।

उदाहरण →
निज उज्वल जलधार, हार हीरक सी सोहति,
बिच बिच छहराति बूँद, मध्य मुक्तामनि पोहति॥

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

लोल लहर लहि पवन, एक पै एक इमि आवत ।
जिमि नागरने मन विविध, मनोरथ करत मिटावत ।।

(अथवा) प्रश्न क्रमांक -20 का उत्तर

पद्य की तुलना मे गद्य रचना सम्पन्न करना अत्यन्त दुष्कर कार्य है। क्योंकि आठ पंक्तियों की कविता मे एक भी पंक्ति भावपूर्ण लिख जाती है तो कवि प्रशंसा का पात्र होता है। लेकिन गद्य के सन्दर्भ मे ऐसा नही देखा जाता। गद्यकार को एक-एक शब्द सोच-समझकर लिखना पडता है। इसी तभी लेखक प्रशंसा का भागी होता है। गद्य मे निम्ब निबन्ध रचना अत्यन्त दुष्कर कार्य है। निबन्ध को व्यवस्थित, स्पष्ट रुचिकर, आकर्षक होना आवश्यक है। इसलिए निबन्ध को गद्य की कसौटी कहते है।

(अथवा) प्रश्न क्रमांक - 21 का उत्तर

उ. इस
नई कविता की दो विशेषताएँ निम्न लिखित है

(1) नए-नए भावो को नए-नए शिल्प विधानो मे प्रस्तुत किया गया है।

(2) इस काल के कवियो ने नूतन बिम्बो की खोज की है।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

3) मानव जीवन की विसंगि विसंगतियो, अनैतिकवादी मान्यता, सामाजिक अन्धविश्वास आदि पर व्यंग्य रचनाएँ लिखी।

कवि — रचनाएँ

1) भवानीप्रसाद मिश्र - सन्नाटा, चकित है दुखी
2) शमशेर बहादुर - बात बोलेगी हम नही,
3) ~~वैर नारायण~~ काल तुमसे होड मेरी,

3) कुवर नारायण - आमने सामने, चक्रव्यूह

(अथवा) प्रश्न क्रमांक-22 का उत्तर

उत्तर रचनाएँ → ① कवि प्रिया ② रामचन्द्रिका ③ वीर चरित्र

भावपक्ष -

① रस निष्पत्ति → केशवदास की रचनाओ मे परिस्थिति के अनुसार रस की निष्पत्ति हुई है। श्रृंगार का वर्णन उत्तम है। वियोग और संयोग दोनो पक्षो का वर्णन उत्कृष्ट है। वीर रस पात्रो के संवाद मे है। शान्त रस निर्वेद दशा मे है।

2) अर्थगाम्भीर्यता → केशव द्वारा प्रयुक्त संवादो मे अर्थ की गम्भीरता थी।

3) नीतितत्व → केशवदास दरबारी कवि थे। उनकी रचनाओ मे नैतिक मूल्यो की रक्षा की गई है। उनकी

मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

कविताओ मे नीति ~~तत्व~~ तत्व की प्रधानता है।

कला पक्ष -

1) भाषा → केशव ने अपने ग्रन्थो की रचना ब्रज भाषा मे की है। कुछ-कुछ रचनाओ मे संस्कृत का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है। कही-कही इनकी रचनाओ मे दुरुहता आ गई है।

2) शैली → केशवदास ने अपनी रचनाओ मे प्रबन्ध शैली और मुक्तक शैली को अपनाया है। अलंकार प्रधान शैली को स्थान दिया है।

3) अलंकार → इन्होंने रूपक, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति, उपमा अलंकार का प्रचुर मात्रा मे प्रयोग किया है।

~~4) शैली →~~

4) छन्द → केशव लक्षण ग्रन्थो के रचियता रहे है। अतः केशवदास ने रस निष्पत्ति, छन्द, शैली आदि पर नए-नए प्रयोग किये है उनकी रचनाओ मे दोहा, सवैया, चौपाई, सोरठा आदि की प्रचुरता है।

5) संवाद योजना → केशवदास की संवाद योजना बेजोड है। पात्रो के संवाद के माध्यम से परस्पर भाव जगत की अभिव्यक्ति करते चलते है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

साहित्य मे स्थान →

केशवदास हिन्दी के प्रमुख आचार्य है। उनकी समस्त रचनाएँ शास्त्रीय रि रीतिबद्ध है। केशवदास जी उच्चकोटी के रसिक थे। वे उन पर उनकी आस्तिकता मे कमी नही आई है। अपने लक्षण ग्रन्थो के लिए सदैव किये जायेंगे।

( अथवा) प्रश्न क्रमांक - 23 का उत्तर

B

S स- उषा प्रियंवदा →

E अ) रचनाएँ → फिर आया बसन्त (2) रूकोगी नही राधिका . (3) मेरी प्रिय कहानियाँ

ब) भाषा → उषा प्रियंवदा जी ने सरल, सरस, सुस्थिर व बोधगम्य खडी बोली का प्रयोग किया है। लघु वाक्य विन्यास, मुहावरो, कहावतो का प्रयोग भाषा का सरल रूप है। शब्दो के समाजिक प्रयोग से उषा प्रियंवदा की साहित्य की भाषा मे कसावट विद्यमान रहती है।

स) शैली →

उषा प्रियंवदा की शैली विवरणात्मक भावात्मक व्यंग्यात्मक है। उनकी उपमाओ मे विवरणी शैली के दर्शन होते है, तो कहानियो मे व्यंग्य एवं भावात्मक परिलक्षित है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

भाषा मे माधुर्य, प्रवाह, भावुकता उनकी शैली की प्रमुख विशेषता है। उनकी सहज कथन शैली यथार्थ का चित्रण बेजोड है। उनके व्यंग्य सार्थक व चुटीले, जिनमे विदेशी शब्दो से कराहट व पीडा के दर्शन होते है। इस प्रकार उनकी शैली वर्ण्य के सर्वाधिक अनुकुल है।

साहित्य मे स्थान ->

हिन्दी कथा साहित्य मे लेखिका का विशिष्ट स्थान होने का प्रमुख कारण -> वर्तमान मे नष्ट होते हुए भारतीय मुल्यो का सटिक चित्रण है।

वर्तमान जीवन की विसंगतियो व उनके विडम्बनाओ का सामाजिक व मनोवै मनोवैज्ञानिक स्तर पर चित्रण करके लेखिका हिन्दी कथा साहित्य मे अपना विशिष्ट एवं महत्वपुर्ण स्थान स्वयं निर्धारित करती है। उनकी कथाएं पारिवारिक विघटन को रोकने का सन्देश देती है। वास्तव मे उषा प्रियंवदा आधुनिक युग की श्रेष्ठ कथाकार है।

प्रश्न क्रमांक - २५ का उत्तर

सन्दर्भ -> प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक हिन्दी के पाठ 'भय' से अवतरित है। इसके लेखक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल है

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECO

UCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUC

प्रश्न क्र.

प्रसंग → यह भय के बारे मे बताया गया है की दुःख पहुँचने का निश्चिय भय उत्पन्न कर देता है।

व्याख्या → किसी दुःख या आपत्ति के कारण के सामने आने पर जो तीव्र जडता या भावात्मकता का देने वाले मनोविकार को भय कहते है। भय क्रोध से भिन्न है। क्रोध मे व्यक्ति दुःख के कारण को समाप्त करने को लालायित रहता है जबकि भय मे व्यक्ति दुःख के कारण से बाहर निकलने का प्रयास करता है। क्रोध तभी आता है जब पता चले की जानते हुए भी दुःख पहुँचाया गया है।

B
S
E

(अथवा) प्रश्न क्रमांक - 25 का उत्तर

उत्तर सन्दर्भ → प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक के 'नीति काव्य' के शीर्षक अमृतवाणी से अवतरित है। और इसके रचियता सन्त कबीरदास है।

प्रसंग → यह सत्संगति के महत्व को बताया गया है।

व्याख्या → कबीर जी कहते है की ~~किसी~~

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

भी यदि कोई सत्संगि.
यदि कोई सत्संगति करना चाहता है तो सन्त पुरूषो का साथ बड़ा मंगलकारी रहता है। संगति के प्रभाव से सभी वृक्ष सुगन्ध - मय चन्दन हो जाते है। लेकिन संगति के अभाव मे बाँस कभी चन्दन नही हो सकता।

कबीर जी कहते है की किसी भी स्थिति मे बुरे लोगो का साथ नही करना चाहिए क्योंकि पत्थर कभी भी पानी पर नही तैर सकता। उसी प्रकार बुरे बुरे लोगो के साथ कल्याण नही हो सकती।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - 26 का उत्तर

क) उत्तर → सच्चा मित्र

ख) उत्तर → समाज से अलग मनुष्य के अस्तित्व की कल्पना नही की जा सकती है।

ग) उत्तर → मित्र जीवन मे सखा, माता - पिता गुरु आदि स्थानो की पूर्ति करता है। इस एक सच्चा मित्र जीवन की हर कठिनाई सुख हो, चाहे दु:ख हो वह हमेशा साथ निभाता है।

प्रश्न क्र. प्रश्न क्रमांक - 21 का उत्तर

उत्तर सेवा मे,
जिलाधिकारी महोदय
शाजापुर

विषय - परीक्षा अवधि मे ध्वनि विस्तारक यन्त्र को बजाने पर प्रतिबन्ध लगाने के सन्दर्भ में।

महोदय
सविनय निवेदन है कि माध्यमिक बोर्ड परिक्षा का समय नजदिक है, ऐसी स्थिति मे तेज आवाज मे बजने वाले लाउडस्पीकर हमारी पढाई मे व्यधान उत्पन्न कर रहे है। ये लाउडस्पीकर सार्वजनिक स्थानो पर बडी कानभेदी आवाज मे मानसिक सन्तुलन को अशान्त कर रहे है।

अत: छात्रो के भविष्य को ध्यान मे रखकर परिक्षा अवधि तक लाउडस्पीकर पर तुरंत प्रतिबन्ध लगाने का अविलम्ब आदेश जारी करे
मैं आपकी महती कृपा के लिए आजीवन आभारी रहूँगी

धन्यवाद
दिनांक
1-3-2018

भवदीया
सपना परमार
कक्षा - 12

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - 28 का उत्तर

अ) जल का महत्व → रूपरेखा →
1) प्रस्तावना
2) जल का महत्व
3) जल प्राप्ति के स्रोत
4) जल की समस्या
5) जल समस्या का समाधान
6) उपसंहार

1) प्रस्तावना → सृष्टि की रचना जल, अग्नि, वायु, आकाश, श्री पृथ्वी आदि पंचतत्वो से हुई है। इनमे जल का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। संसार के दैनिक जीवन मे जल का बहुत महत्व है। इसके बिना कुछ भी सम्भव नही है

2) जल का महत्व → पृथ्वी पर जीव-जन्तु, पशु पक्षी, वनस्पतिओ फसलो आदि सभी के लिए जल अनिवार्य है। बिना जल के किसी का भी रह पाना सम्भव नही है। जल से संसार मे जीवन्तता दिखाई देती है। चारो ओर फैली हरियाली, फल-फूल, फसलो के लिए जल अति आवश्यक है। सभी रहिमन कहते →

रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे, मोती मानस चून ।।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

जल की प्राप्ति के स्रोत → जल की प्राप्ति के अनेक स्रोत है।
समुद्र मे अथाह जल है किन्तु वह खारा है। इस सभी प्रकार की पूर्ति नही कर पाता। जल की प्राप्ति का प्रमुख स्रोत वर्षा है। वर्षा का जल ही नदी - नालो मे एकत्र हो, जल की पूर्ति करता है। पृथ्वी के नीचे विद्यमान जल को कुओ नलकूपो द्वारा प्राप्त किया जाता है,

B
S
E

जल की समस्या → विगत वर्षो मे जल की निरन्तर कमी हो रही है। वर्षा कम हो रही है। धरती का जल स्तर लगातार गिर रहा है। जल की समस्या भारत की ही नही अपितु भारत संसार भर की है। कुछ स्थानो पर तो जल के लिए त्राहि - त्राहि मची है। कुछ लोगो का मानना है की संसार का तीसरा विश्व युद्ध जल के लिए ही होगा।

जल समस्या का समाधान → अब समय आ गया है की यह समस्या भयंकर रूप धारण करे उससे पहले जाग जाए। कम - से - कम जल नष्ट करे। वर्षा के समय जो जल नदी - नालियों द्वारा भ समुद्र मे जाता है उसे इकट्ठा कर प्रयोग मे लाये।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

वर्षाकाल मे पानी को पृथ्वी के अन्दर पहुँचाया जाय , जिससे भूमि का जल स्तर ऊपर आयेगा

उपसंहार –

यदि समय रहते जल संरक्षण की ओर ध्यान नही दिया तो संसार का विनाश हो जाएगा । बिना जल के किसी का भी रह पानी सम्भव नही है । बिना जल के संसार का विनाश अवश्य सम्भव है । मानव तो बिना जल के रह ही नही सकता । सत्य यह है की जल से ही जीवन है। इसलिए इसकी पूर्ति आवश्यक है । अत: मानव को ओर विलम्ब न करके जल के अपव्यय को रोकने के साथ - साथ जल संरक्षण हेतु प्रभावी उपाय करने होंगे

जल से ही जीवन है

जल से जीवन है, जल ही जवी जीवन है
जल संरक्षण करते मानव जल भविष्य निर्माता है ।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

ब) श्रम का महत्व → रूपरेखा

1. प्रस्तावना
2. श्रम की महत्ता
3. श्रम प्रगति का आधार
4. श्रमहीन जीवन निरर्थक
5. समाज और श्रम का सम्बन्ध
6. उपसंहार

B
S
E